## श्वत्यवे दे श्वेत्

<b>अर्ळ</b> ेबा	Eตระยะ ซึ่ง ส.ยา
34009	<b>म्यान्यम्</b> श्चेत्रम्
	The state of the s
देनःश्चेषःअहःग्रह्म	CCTM/QMP/3186/2006
व्येषासमुद्दाव मुद्दा	Publication Dept.
	Men-Tsee-Khang
	(Tibetan Medical & Astro. Institute)
	Dharamsala, Distt Kangra, (H.P.)
¥	INDIA
र्श्वेन'त्र्वेन्'न'ग्रुम्'	<njsunang@yahoo.com></njsunang@yahoo.com>
מימדישבישבאן	0091-1892-223222 / 98829-09480
至	मुं क्रि.१८६३ क्रूर.मूर.यविर.भैय. क्रुश. शक्र. भूयायर. रे क्रीयायर रे व्याया मुंग वियाया है। १८६१
	व्यर् श्रुव राजगायन दुः राज्ञेवा १९६६ वया २०१३ न्वर विरे राज्य वाहे वर नहना न्युन
	श्चर्याये त्याया तिवरात्या १०११ व्याप्त विष्याय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विष
	१०११ वॅर-वॅर्ने: श्रुव: के अपिर वी अव्यूं: श्रुवाय: मुवाय: र्या अव्यूं वी यह वी या समुन
	यर नर्भे वह वाय स्थान वया न वर्ष महार है न्या महिदा यय प्रति र वि न विव र वि न
	म् अ अत्र है अ विद्युष् अ अअ अ अवा वी भे क्व दु न वा व अ अ अ अ चे द् र के वा विद्य
	गे.के.बीय.क्र्यंत्रस्य क्रियाची सूर्यात्रेश्वरात्रियाचीयाचे हिन्दित्ती वार्यात्र प्राप्त स्वास्त्र स्वास्त्र स्व
	ब्रॅग्यायान्यान्याः) ब्रेयायवे न्यान्याचे याचे याचे याचे याचे स्ट्रासी से म्रेयायहे स्वर्या हे स्वर्या से स्वर
	विस्रसः वर्से दः ची क्षेत्रः ची के स्वाप्तः विदः ची स्वाप्तः विदः ची स्वाप्तः विदः ची स्वाप्तः विदः ची स्वाप्तः
	सुर्या से सम्प्रें मा मी नर्जे क्षेट्र प्रस्ति मा सके द कि नर्भ स्था सम्प्रस्त स्थित पर्वे मा कि सा परि
	नर्हेन् नाबिते र्वेना नाम्यान निन् नुया १०१५ वें र र्वेन् ग्री क्षुत् केया निर नी वन रेनाय र्वेन
	त्यू यो.क्ट्र्या अ.क्ट्र-रे.च ग्रू. तर्दे या अ.क्षेत्राच क्षेत्र क्रु. तर्च अ.वर्ट. क्री.क्ट्र्य त्यू यो.टर. या बट. तर्चे श
	वर् ग्री क्रिं वर्गिन हे अपि देन क्रूर निहे अपि वर्ष में निहें में निहें निकार में क्रिंग क्रिंग के अपि क्रिंग के
	क्षेट्र श्रेम्थ Tibet TV र्वेम र्वेट्र ग्री म्बर्भ न्य रेम प्रतेष्य स्वर्थ व्यवस्थ विक्र स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वय स्वयं स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्वर्य स्व

वर्गेना निष्यान भट्टा त्यव स्थट हुआ

Dr. Ngawang Jinpa was enrolled into the Tibetan Medical & Astro. College in 1993 and in 1998, he was graduated with a Kachupa Degree in Tibetan Medicine. He has served as a Residential Doctor at three different branch clinics from 1999 to 2013 for nearly 15 years. In 2011, he was awarded the Menrampa Degree on clearing Promotional Exam successfully. In 2012, appointed as the coordinator from the south branch and still working as committee member of Thuk-Dham project.

In 2013, he was transferred to the Body, Mind and Life Department of Tibetan Medical & Astro Institute, Dharamsala. Since then, he has been actively involved in researching on the Tibetan Medicine perspective on "Sok or Life" and has compiled a book on the same. He is one of the resource person for all the courses on mental healthcare organized by the BML Department. In 2017, he was speaker of 5<sup>th</sup> Body, Mind and Life Conference and presented on the prevention of Mental Disorders from Tibetan Medicine perspective.

In 2015, appointed as the member of the 'Committee for Prevention of Diseases' and has edited two booklets titled "Prevention of Stomach Cancer" and "Prevention of Piles Disorder" to his credit. And appeared several time on CTA's Tibet TV programme to talk about disease prevention method through Sowa Rigpa Tradition.

Currently working at Documentation and Publication Department, during which he had Completed and edited "KEMDREL" based on the hand written and previously version of the same and as printed in 2018.

In September 2019, he was elected for the  $6^{th}$  Executive member of the Central Council of Tibetan Medicine (CCTM) and currently serving as the Gen. Secretary of CCTM.